छपते छपते

कोलकाता ■ रविवार ■ 15 सितम्बर 2024 ■ भाद्र शुक्ल पक्ष 12 ■ संवत् 2081 ■ कुल पृष्ठ : 8 ■ वर्ष-53, अंक-215

हिन्दी दिवस पर 'टिप टिप बरसा पानी' पर चर्चा

■ छपते छपते समाचार सेवा

कोलकाता, 14 सितम्बर। भवानीपुर एजुकेशन सोसायटी कॉलेज के बुक रीडिंग सेशन में डॉ.अभिज्ञात के उपन्यास टिप टिप बरसा पानी पर चर्चा हुई, जिसमें बतौर लेखक डॉ.अभिज्ञात भी शामिल हुए। अपने इस नए उपन्यास के तत्वों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि उन्हों इश्क़ पर आधारित इस कृति में आधुनिक युवा वर्ग की मानसिक उथल-पुथल और असमंजसपूर्ण स्थित पर प्रकाश डाला है। इसकी केन्द्रीय पात्र एक महिला प्रोफ़ेसर रम्या है, जो अपने अधिकारों के प्रति सजग है और निर्णय लेने में स्वतंत्र। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षाओं और संघर्षों को उपन्यास की केन्द्रीय विषय वस्तु बनाय है। प्रेम के कई कोण इस उपन्यास में उजागर हैं, जिससे प्रेस से रिश्ते की गहरी पड़ताल होती है। डॉ.वसुंधरा मिश्र ने उपन्यास ने कहा कि उपन्यास में प्रेम को प्राप्त करने के लिए कोई पात्र संस्कारों को छोड़ देता है तो फिर कोई पात्र त्याग और बलिदान की उच्चता तक पहुंचता है। कई प्रकार के प्रेमी पात्र हैं, जिनमें ऐसा भी पात्र है जो प्रेम सम्बंधों का फायदा उठाने से नहीं चूकता।

भवानीपुर एजुकेशन सोसाइटह कॉलेज के डॉ. अभिज्ञात, डा वसुन्धरा मिश्र, प्रो मीनाक्षी चतुर्वेदी, कवियत्री सविता पोद्दार, रेखा ड्रोलिया प्रभृति।

उपन्यास का घटनाक्रम भारत से लेकर अमेरिका तक फैला हुआ है। चौदह अध्यायों में बंटे इस उपन्यास से प्रोफेसर मीनाक्षी चतुर्वेदी ने लहंगा पड़ेगा बड़ा महंगा अध्याय के एक अंश का वाचन किया, वहीं हेमस्मिता और अभिषेक सिंह ने कोयल तोरी बोलिया अध्याय का वाचन किया।

कार्यक्रम का दूसरा सत्र हिन्दी दिवस पर केन्द्रित था जिसमें हिंदी पर केन्द्रित कविताओं के साथ-साथ अन्य विषयों पर भी काव्य-पाठ हुआ। सविता पोद्दार ने अपनी कविता राजभाषा सुनायी।

रेखा ड्रोलिया ने हिंदी को दिलों से जोड़ने वाला सेतु बताने वाली कविता का पाठ किया। डॉ.वसुंधरा मिश्र ने हिंदी की रेल चली लंबी कविता सुनाई। खुशी गुप्ता राय, मौसमिता राय, निशा जैन और कृष्णा कपूर ने अपनी कविताएं सुनाईं।

डॉ.अभिज्ञात ने अंत में लोगों की फरमाइश पर अपनी ग़ज़ल सुनायी- तेरे ख़त फाड़ दिये और भला क्या करता। काव्य-सत्र का लतिका और हिमेशमिता ने संचालन किया। रैक्टर और डीन प्रोफेसर डॉ.दिलीप शाह ने अतिथियों का स्वागत स्मृति चिह्न देकर किया डॉ. रेखा नरवाल ने एक गीत के द्वारा सभी को एकजुट होने का संदेश दिया और उन्होंने ही धन्यवाद ज्ञापन किया।